ना कभी भी किसी का दिल का दुखाना रे

करना सेवा सत्कार, करना हर किसी से प्यार,
न कभी भी किसी का दिल दुखाना रे ।
लेके जग से बुराई मत जाना रे,
अच्छे कर्मो से जीवन सजाना रे ।

घर आये को भगवान् समझना,
अपने ही जैसा इंसान समझना ।
मीठी वाणी उसको बोल, वाणी होती है अनमोल ।
तीखी वाणी किसी को मत सुनाना रे ।
प्यार अपना सभी पे तू लुटाना रे ।

तुच्छ समझ किसी पर नहीं हंसना,
सब पे सम-रस भाव तुम रखना,
पढ़ना गीता का उपदेश, उसमे है जी ये सन्देश,
कहाँ रहता है एक सा ज़माना रे ।
भाव-भगति में मन को रमाना रे ।

पाप का धन अपने घर तू ना लाना,
खून-पसीने की रोटी ही खाना ।
मेहनत करना आठों याम, किरपा करेंगे तुझपे राम ।
सत्य-पथ से ना पग को डिगाना रे ।
बुरे कर्मों को हाँथ ना लगाना रे ।

मन में कभी तू अभिमान ना करना,
जग में किसी का अपमान ना करना ।
ऊपर होगा सब हिसाब, दोगे कैसे तुम जवाब,
फिर तुझको पड़ेगा पछताना रे ।
रह जायेगा यहीं पर खजाना रे ।

करना सेवा सत्कार, करना हर किसी से प्यार,
न कभी भी किसी का दिल दुखाना रे ।
लेके जग से बुराई मत जाना रे,
अच्छे कर्मो से जीवन सजाना रे ।

करना सेवा सत्कार, करना हर किसी से प्यार,
न कभी भी किसी का दिल दुखाना रे ।

स्वर : कुमार विशु

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1577/title/karna-sewa-satkar-karna-har-kisi-se-pyar-na-kabhi-bhi-kisi-ka-dil-dukhana-re-bhajan-with-Hindi-lyrics

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |